IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बीकानेर जिले के फसल प्रतिरूपो का अध्ययन

(सन्दर्भ 1991–2011)

शौफीन

शौधार्थी, भूगाले विभाग, राजकीय डूगं र महाविद्यालय, बीकानेर

शाध्े ा प्रश्न पत्र

फसल प्रतिरूप परिचयः–

फसल प्रतिरूप से तात्पर्य है किसी प्रदेश म` फसलों के समय व स्थान के अनुसार क्रम के स्थानिक वितरण के प्रतिरूप के अनुपात से है। किसी निश्चित समय की अवधि में विभिन्न फसलों के अन्तर्गत फसल प्रतिरूप को प्राकृतिक, सामाजिक व आर्थिक कारक प्रभावित करत` है।

धरातल, उच्चावच, ढाल, जलवायु, मृदा, सतही जलप्रवाह, भूमिगत जल का स्तर, खेतो का आकार, श्रम उपलब्धि, पूंजी, सिंचाई सुविधाएं, कृषि में नय` – नये प्रयागे ा` तथा राजनीतिक, तकनीकी एवं आधारभतू कारक कृषिगत क्रियाकलापों व फसली प्रतिरूपो ं के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है।

बीकानेर जिले की फसलो का स्थानिक प्रतिरूप

बीकानेर थार रेगिस्तानी भू–भाग मे ं जल की उपलब्धता न` यहां के फसल प्रतिरूप को परिवर्तित करन` में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है बीकानेर जैसे जिले में जहा ं की जलवायु शुष्क मरूस्थलीय है वहां जल एक महत्वपूर्ण कारक है जो कि फसलों के स्थानिक वितरण

प्रतिरूप को प्रभावित करता है। नहरी जल उपलब्धता के कारण सीमित फसलो ं का उत्पादन दखे ा गया है। खरीफ के मौसम मे ं कपास मूंगफली चावल एवं रबी के मौसम में गहे ूं और सरसों महत्वपूर्ण फसल ` है। सिंचाई जल के साथ फसल प्रतिरूप काफी हद तक समृद्व हा ` गया है। सन् 1991 में बीकानरे कुल कृषिगत क्षत्रे फल 948673 हक्टये र तथा 2005 में 1143000 हैक्टये र व 2011 में बढक़ र 3041189 हैक्टये र हो गया। पिछले तीन दशको ं (1991–2011) के दौरान फसलों के अन्तर्गत क्षत्रे फल लगभग दुगुना बढ़ा है। बीकानेर जिले की कुछ महत्वपूर्ण फसल ` व उनका स्थानिक वितरण इस प्रकार है–

1. बाजरा :– बीकानेर जिले में बाजरे का क्षत्रे फल 1991 में 309637 हैक्टेयर (34.43 प्रतिशत) था जो वर्ष 2001 मे घटकर 140130 हैक्टये र (30.47 प्रतिशत) रह गया। वर्ष 2011 में य ` आरे घटकर 121500 हैक्टये र रह गया। जिसका कारण निजी कम्पनियो ं द्वारा नकली बीज कारोबार पनप रहा है। वही ं वर्षा औसतन अच्छी ना होने के कारण नहरी सिंचाई पर दबाव बढन् ` से बाजरा उत्पादन मे ं समस्या दखे ी गयी है।
2. चना:– चना राज्य की सबस ` महत्वपूर्ण दलहनी फसल है इसलिय ` चने को दाला ` का राजा कहा जाता है। तापमान व जलवायु की परिस्थिति का ` देखते हुये बीकानेर जिल ` में इसका उत्पादन अच्छ ` स्तर पर हाते ा है। चन ` के क्षत्रे के अन्तर्गत वर्ष 1981 में राज्य का क्षत्रे फल 1255447 हैक्टये र था जिसमें बीकानरे जिले का चना क्षेत्रफल 6414 हैक्टये र (1.08 प्रतिशत) था। इसी प्रकार 2006–07 में राज्य मे ं चना क्षत्रे फल 125791 हैक्टये र था जिसमे ं बीकानेर जिले में चन `कृषि क्षेत्रफल 6898 हैक्टेयर की बढोत्तरी दर्ज की गयी।

वर्ष 2011 मे चने का क्षत्रे फल राजस्थान राज्य मे ं काफी (275350 हक्टये र) बढोत्तरी दर्ज की गयी। बीकानरे जिले में इस समय क्षत्रे फल 110140 हैक्टेयर दर्ज किया गया।

3. गेहू:– ं बीकानरे जिल ` नहरी सिंचाई अधिक हाने ` के कारण वर्ष 1991 मे ंगेहूं का क्षत्रे फल 25683 हैक्टये र था जो कि कुल क्षत्रे फल का 4.09 प्रतिशत था। वर्ष 2001 मे गेहू

` का क्षेत्रफल 30794 हैक्टये र वही ं वर्ष 2011–12 में बीकानेर का गेहू ं उत्पादन का क्षत्रे फल बढ़कर 42763 हैक्टये र हा ` गया।

4. ज्वार:– राजस्थान में ज्वार का क्षत्रे फल वर्ष 1991 मे 930982 हैक्टये र था जिसमे बीकानरे जिले के अन्तर्गत ज्वार कृषि का क्षेत्रफल 1547 हैक्टेयर था। इसी प्रकार वर्ष 2001 में राज्य में ज्वार क्षत्रे फल में कमी दख्े ाने को मिली 67400 हैक्टये र जिसमें बीकानरे में ज्वार का क्षत्रे फल घटकर 1210 हैक्टेयर रह गया। वर्ष 2011 मे ं ज्वार फसल का क्षत्रे फल सबस ` अधिक बीकानेर में 5450

   हैक्टये र दख्े ान ` को मिला।

5. रेपसीड़ एवं सरसों:– बीकानेर जिले में सरसो का सर्वाधिक महत्व है

क्योंकि इनका उपयोग खाद्य तैला ` के रूप मे अधिक किया जाता है। वर्ष 1991 राज्य में रेपसीड व सरासों का क्षत्रे फल 1918578 हैक्टये र था जिसमे ं बीकानेर जिले का क्षत्रे फल 22349 हैक्टये र था जा ` कि कुल क्षत्रे का 3.56 प्रतिशत था। वर्ष 2005–06 राज्य में सरसो ं का क्षेत्रफल 199478 हैक्टये र था। जिसमें बीकानेर जिल ` का क्षत्रे फल 55540 हैक्टेयर था वही ं वर्ष

2015 में बीकानरे मे ं रेपसीड व सरसों का क्षत्रे फल बढक् र 68589 हैक्टेयर हो गया।

6. मूंगफली :– मूंगफली का उत्पादन राज्य के पश्चिमी जिल ` बीकानरे में सर्वाधिक रूप स ` की जाती है मूंगफली की खेती के लिये अच्छ ` जल निकास वाली दामे ट व बूलई मिट्टी वाली भूमि सर्वोत्तम रहती है बीकानेर की जलवायु परिस्थितियां मूंगफली उत्पादन के लिये सुगम है। बीकानेर जिले मे मूंगफली उत्पादन वर्ष 1991 में 8744 मेट्रिक टन था जो कुल उत्पादन का 6.21 प्रतिशत था। वही ं वर्ष 2011 में यह उत्पादन बढ़कर 18123 मेट्रिक टन हा ` गया।

निष्कर्षः— बीकानेर जिले के फसलों के पतिरूप में समय–समय पर बदलाव देखे गय। वर्ष 1991 से 2011 तक कृषिगत भूमि प्रमुख फसलों का उत्पादन जनसख्ं या वृद्वि व आवश्यकताओ ं का` दख्े ाते हुए पर्याप्त नहीं है। इस मरूस्थलीय पारिस्थितिकी तत्रं मे ं सीमित समाधानो ं को मध्यनजर रखते हुए व बढती जनसंख्या पर नियंत्रण के कारगर उपाय अपनाकर भूमि संसाधना` का अधिक विवेकपूर्ण ढ़ंग स` प्रबंधन किया जाना चाहियें। पिछले तीन दशका` के दौरान बीकानेर जिले के विभिन्न फसलों जैसे बाजरा, गेंहू, तिल, सरसों, मुंगफली की उत्पादकता में वृद्वि हुयी है। बीकानेर जिले के फसलों के प्रतिरूपों म` आये बदलाव का मुख्य कारण इन्दिरा गाधं ी नहर परियोजना द्वारा जल उपलब्धता की होना व फसलो को आवश्यकता अनुसार पानी मिलने स` है।

सन्दर्भ ग्रथं ाः—

1. जिला सांख्यिकी रूपरोखा, जयपुर 2008, आर्थिक एवं साख्यिकी निदेयाालय, जयपुर (राज.)।
2. हुसैन माजिद (2000), कृषि भूगोल, रावत पब्लिकश्े ान, जयपुर, राजस्थान।
3. शफी.एम. (2006), कृषि भूगोल, D.K पब्लिकेशन, नौयडा, उत्तरप्रदेश।
4. जिला सांख्यिकी रूपरेखा, जयपुर 2015, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदश्े ाालय, जयपुर (राज.)
5. डॉ. कुमार प्रमिला एवं डॉ. शर्मा, श्रीकमल (1996), कृषि भगू ोल, मध्यप्रदश्े ा हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
6. सक्सेना, हरिमाहे न (2020), राजस्थान का भूगोल, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
7. मोधे, बसंत व जैन (1985), राजस्थान में कृषि विकास, राज. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।